खबर संक्षेप

श्री बिहारी रामलीला समाज का भव्य राम राज्याभिषेक का मंचन

सतना। श्री बिहारी रामलीला समाज द्वारा सुभाष पार्क मैदान में आयोजित रामलीला में रविवार को भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन और राज्याभिषेक का भव्य मंचन किया गया। 14 वर्ष का वनवास और लंका विजय पूर्ण कर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के अयोध्या लौटने पर नगर दीपमालाओं से जगमगा उठा। गुरु वशिष्ठ ने श्रीराम का तिलक कर उन्हें राजगद्दी सौंपी। राज्याभिषेक के दौरान प्रथम तिलक वशिष्ठ मुनि कीन्हा,पुनि सब विप्रन्ह आयुष दीन्हा चौपाई की गूंज और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा मैदान गूंज उठा। शंखनाद और पुष्पवर्षा से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्री बिहारी रामलीला समाज के प्रवक्ता श्याम लाल गुप्ता श्यामू ने बताया कि 21 दिवसीय श्रीरामलीला महोत्सव का समापन श्रीराम राज्याभिषेक के हर्षोल्लास भरे मंचन के साथ हुआ। इस अवसर पर हिंदू पर्व समन्वय समिति अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी,वरिष्ठ समाज सेवी सीताराम अग्रवाल रामू भइया,डॉ.सुनील अग्रवाल,मृगेंद्र सिंह, आशु खत्री,इंजी आरके अग्रवाल,रामावतार चमड़ियां,मनोहर वाधवानी,अजय अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि और पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय कलाकारों ने भजन,नृत्य और झाँकियों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

वारदातः दो दिन में गोलीबारी और बाइक जलाने की तीन बड़ी वारदातें; पुलिस को खुली चुनौती

सतना। अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं,जिसके चलते बीते दो दिनों में शहर में गोलीबारी और आगजनी की तीन सनसनीखेज वारदातें सामने आई हैं। इन घटनाओं ने न सिर्फ स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी है,बल्कि पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सरेआम गोलीबारी से फैली दहशत सोमवार को शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र स्थित टिकुरिया टोला के डिलौरा दुर्गा मंदिर के पास बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने सरेआम गोलियां चलाकर दहशत फैला दी।दोपहर के समय हुई इस घटना की सूचना मिलते ही कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मौके से गोलियों के दो खोखे जब्त किए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,बदमाशों ने एक गोली सड़क किनारे खड़ी एक कार को निशाना बनाकर चलाई,जबकि दूसरी गोली हवाई फायर की गई। इस पूरी घटना का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है,जिसमें एक बाइक पर पीछे बैठा व्यक्ति कार पर गोली चलाता और फिर हवाई फायर करता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों में आशंका है कि यह गोलीकांड आपसी विवाद का परिणाम है। बताया गया है कि ध्रुव पटारिया और देव पटारिया नाम के दो युवकों का चंदन द्विवेदी से विवाद हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,बदमाशों की बाइक के आगे भाग रहे दो युवकों में से एक चंदन द्विवेदी भी था।पुलिस अब घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि गोली चलाने वाले पक्ष की पहचान और विवाद की असलियत का पता चल सके। चंदन द्विवेदी के एक गली में घुस जाने के बाद आरोपी हवाई फायर कर भाग गए।

दो दिन पहले डीजे संचालक को भी मारी गई थी गोली

चिंता की बात यह है कि यह दो दिनों में गोलीबारी की दूसरी बड़ी घटना है। शनिवार दोपहर को लखन चौराहे पर डीजे संचालक अंकुर गुप्ता 24 वर्ष को गोली मार दी गई थी। यह वारदात शुक्रवार रात दुर्गा विसर्जन कार्यक्रम के बाद हुए एक विवाद का बदला लेने के लिए की गई थी। बजरहा टोला के कुछ युवकों ने अंकुर पर डीजे बजाने का दबाव बनाया था,जिसे प्रशासनिक अनुमति न होने का हवाला देकर अंकुर ने मना कर दिया था,जिसके बाद विवाद बढ़ गया था। डीजे संचालक को गोली मारने का वीडियो भी सामने आया था,जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

डाली बाबा में घर के बाहर खड़ी बाइक में लगाई आग

इन सनसनीखेज घटनाओं के बीच,अपराधियों ने सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत डाली बाबा इलाके में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने एक घर के बाहर खड़ी होंडा शाइन बाइक (क्रमांक एमपी 19 जेडीएच 2701) में आग लगा दी। पीड़िता गुड़िया दहिया 38 वर्ष की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। रात करीब 11 बजे हुए इस आगजनी के बाद मोहल्ले के लोगों ने मिलकर आग बुझाने में मदद की। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान हो सके और यह पता लगाया जा सके कि कहीं यह घटना किसी पुरानी रंजिश का परिणाम तो नहीं है। लगातार हो रही इन आपराधिक वारदातों से सतना में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बढ़ गई है। शहरवासी अब पुलिस प्रशासन से कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू करने और इन बेखौफ अपराधियों पर लगाम लगाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि वे तीनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

आयोग सदस्य ने मानवधिकारों और समावेषी विकास पर की समीक्षा

सतना। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने सोमवार को सतना पहुंचकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक लेकर मानवधिकारों और समावेशी विकास से संबंधित विषयों पर समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल,जेल अधीक्षक लीना कोष्टा,बाल संरक्षण अधिकारी राजीव सिंह,जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव,डीपीसी विष्णु त्रिपाठी,प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय एससी राय, सिविल सर्जन डॉ.मनोज शुक्ला,जिला संयोजक डॉ.अरूण शुक्ला,जिला आपूर्ति अधिकारी सम्यक जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने मानवधिकार और समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों के कार्यान्वयन की स्थिति और जमीनी स्तर पर वास्तविकताओं की समीक्षा की। समीक्षा के विशिष्ट क्षेत्रों में रोजगार एवं कौशल विकास का अधिकार,बच्चों के अधिकार और किशोर न्याय प्रणाली मानव तस्करी,वृद्ध व्यक्तियों,वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार,विकलांग व्यक्तियों के अधिकार,पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय स्वशासन निकायों का कामकाज,खेल और मानवधिकार युवा मामले, सांस्कृतिक,दार्शनिक और कलात्मक अभिव्यक्ति में मानवधिकार बाल यौन शोषण सामग्री (सी एस ए एम) के संबंध में अधिकारियों से जानकारी लेकर समीक्षा की।

मानव अधिकार आयोग के सदस्य ने सिलिकोसिस बीमारी के रोकथाम और बीमारी से प्रभावित व्यक्तियों की सूची के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग,प्रदूषण नियंत्रण विभाग समन्वय के साथ इस बीमारी को रोकने के आवश्यक प्रबंध करें। बाल कल्याण समिति से पास्को एक्ट के तहत पंजीकृत प्रकरणों की जानकारी लेते हुए आयोग सदस्य ने कहा कि बाल संरक्षण अधिकारी बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड 18 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं का संरक्षण सुनिश्चित कराये। जिला पंचायत की ओर से बताया गया कि जिले में 9052 महिलाओं के स्व-सहायता समूह गठित है। इनमें 1 लाख 7 हजार 448 महिला सदस्य योजना से लाभांवित हुई है। आयोग सदस्य ने समूह की महिलाओं को उत्पादन की गतिविधियों से जोडते हुए उन्हें सशक्त बनाने और ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में मजदूरों का काम के अभाव में पलायन रोकने के निर्देश दिये। इस मौके पर बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष चन्द्रकिरण श्रीवास्तव,सदस्य कामता पाण्डेय,अंजना,मंजूषा शाह तथा किशोर न्याय बोर्ड के पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे।

धार्मिक वेशभूषा में आए चोरों ने दिया रिटायर्ड रेंजर के घर चोरी की वारदात को अंजाम

सतना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर स्थित कृष्णा बिहार कॉलोनी में रविवार रात एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने सेवानिवृत्त रेंजर मनभरन द्विवेदी के सूने घर को निशाना बनाया है। वारदात के समय द्विवेदी अपने बेटे से मिलने इंदौर गए हुए थे,और इसी दौरान अज्ञात चोरों ने चोरी को अंजाम दिया।

धार्मिक वेशभूषा में आए चोर पहले की रेकी

स्थानीय लोगों के अनुसार,रात में दो अज्ञात युवक धार्मिक कपड़ों में कॉलोनी में घूमते दिखाई दिए। वे नंगे पांव थे और हाथ में चप्पल लिए पूरे मोहल्ले की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहे थे। पुलिस का मानना है कि यह उनकी रेकी (जांच-पड़ताल) का तरीका था। रेकी करने के बाद,दोनों युवकों ने कॉलोनी की बाउंड्रीवाल फांदकर मनभरन द्विवेदी के घर में प्रवेश किया। बताया जा रहा है कि इनमें से एक चोर घर के बाहर चौकसी कर रहा था,जबकि दूसरा भीतर घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा था। चोरों ने घर के हर कमरे की तलाशी ली। उन्होंने अलमारी और दराजों के ताले तोड़कर घर में रखे सोने-चांदी के गहने और नकद रकम चुरा ली। चोरी गए सामान की कीमत का सटीक आकलन अभी नहीं हो पाया है।

पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

सुबह मोहल्ले के लोगों ने जब घर के ताले टूटे देखे,तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फोरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाकर घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि यह चोरी पूरी तरह से सुनियोजित तरीके से की गई थी और चोरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर की पूरी रेकी की थी। पुलिस अब चोरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने फिलहाल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस ने जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा किया है।

सरस्वती शिशु मंदिर मैहर की छात्राओं ने सांस्कृतिक विरासत को गौरवान्वित किया

मैहर। सरस्वती शिशु मंदिर मैहर की छात्राओं (बहिनों) ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और मैहर की सांस्कृतिक विरासत को गौरवान्वित किया।महाकौशल प्रांत के सांस्कृतिक महोत्सव की प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता जो नई बस्ती कटनी (रीवा विभाग) में आयोजित हुई,उसमें विद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बहिन लक्ष्मी सिंह ठाकुर ने तरुण वर्ग में शास्त्रीय गायन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।बहिन सुजाता सिंह परिहार ने शास्त्रीय नृत्य के तरुण वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बहिन अनुराधा साहू ने शास्त्रीय नृत्य के किशोर वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।छात्राओं की इस सफलता पर विद्यालय के व्यवस्थापक अंबुज द्विवेदी,प्राचार्य विजय प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य आनंद प्रकाश तिवारी,कोषाध्यक्ष विनय शंकर गोयल एवं समिति के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई दी। संगीत संगत के लिए संगीताचार्य रोहित तिवारी को भी विद्यालय परिवार की ओर से बधाई प्रेषित की गई।अब ये बहनें इस कार्यक्रम की क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता में देवास में सम्मिलित होंगी।

बीएसएनएल में दमनकारी कार्रवाई के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

सतना। आल यूनियन एन्ड एसोसिएशन, बीएसएनएल सतना के आह्वान पर बिजनेस एरिया के प्रधान महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष सिविल लाइन में एक जोरदार प्रदर्शन किया गया।

इस प्रदर्शन में एनएफटीई,बीएसएनएल ईयू,एसएनईए और एआइजीईटीओए जैसे प्रमुख यूनियनों और एसोसिएशनों ने भाग लिया।प्रमुख माँगें तमिलनाडु के मुख्य महाप्रबंधक को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। तमिलनाडु में यूनियन नेताओं के ऊपर की गई दमनपूर्वक कार्यवाही को तुरंत वापस लिया जाए। सभा को मुख्य रूप से योगेश शर्मा,अभिनव तिवारी,अमित तिवारी और राजेश पासी ने संबोधित किया। प्रदर्शन में ए पी गुप्ता,ए पी सोनी,भूपेश दयाल सिंह,नितिन नायक,सुनील त्रिपाठी,विवेक अवस्थी,एस पी सिंह, पँचराज सिंह, देवराज मौर्या, ऊत्तम सिंह, मोहितेंद्र सिंह, अनुराग द्विवेदी, विपिन द्विवेदी, राजीव द्विवेदी, शमिमुल्लाह, निखिल उपाध्याय, अंकित सक्सेना, आशीष झा, विश्वजीत सिंह, स्वदेश सिंह, ए के सिंह, सौरभ मिश्रा, आशीष कुमार सिंह, बृजेन्द्र मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, गौरव सिंह, पवन सिंह, ज्योतिष पटेल, नितेश पटेल आदि कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत पर आधारित चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

सतना। मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय विभाग एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार नशा बन्दी सप्ताह के तहत सोमवार को शासकीय स्वशासी महाविद्यालय सतना में नशा मुक्त भारत पर आधारित चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कलाकार केके शुक्ला एवं जिला संगठक क्रांति मिश्रा के निर्देशन में एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को चित्रित करते हुए नशा नहीं करने एवं नशा मुक्त समाज बनाने की प्रेरणा का संदेश दिया गया। ततपश्चात शपथ भी दिलाई गई।

शैलेंद्र सिंह ने जिला पंचायत सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का कार्यभार संभाला

सतना। मैहर जिले से स्थानांतरित हुए अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह ने जिला पंचायत सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार संभालने के उपरांत उन्होंने जिला पंचायत के शाखा प्रभारी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति के संबंध में जानकारी ली।

स्टैण्डिग कमेटी की बैठक 8 अक्टूबर को

सतना। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार नगर पालिका,पंचायत के फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष 2025 हेतु जिले की नगर पालिक निगम,नगर परिषद एवं ग्राम पंचायतो की फोटोयुक्त मतदाता सूची की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। आयोग के निर्देशानुसार 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से संयुक्त कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्टैण्डिग कमेटी की बैठक आयोजित की गई है। अपर कलेक्टर सतना विकास सिंह ने बैठक में संबंधित अधिकारियो एवं मान्यता प्राप्त राजैनिक दल के अध्यक्ष सचिव को उपस्थित रहने को कहा है।

मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर योजना के तहत 50 हजार रूपये की सहायता राशि स्वीकृत

सतना। हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीडित प्रतिकर योजना 2022 के अनुसार अज्ञात वाहन से सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रूपये तथा मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। कलेक्टर सतना डॉ.सतीश कुमार एस ने नागौद तहसील अंतर्गत वार्ड क्रमांक 8 बिचपुरिया पेट्रोल पम्प के पास नागौद निवासी दिवाकर द्विवेदी को अज्ञात वाहन से सडक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

मैहर कांग्रेस कमेटी द्वारा "वोट चोर गद्दी छोड़" हस्ताक्षर अभियान

मैहर। मैहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा पर्यटक सूचना केंद्र मैहर में "वोट चोर गद्दी छोड़" हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कर्नाटक से लेकर मध्यप्रदेश तक भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से जनता से वोट का अधिकार छीना गया है,लेकिन अब यह चोरी पकड़ी जा चुकी है। नेताओं ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरी कांग्रेस जनता के वोट और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई को सड़क और सदन, दोनों में लड़ रही है। कार्यक्रम में मैहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष धर्मेश घई,ब्लॉक अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी, कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष अरुणतने मिश्रा,मनीष पटेल,केशव प्रसाद चौरसिया,महेंद्र त्रिपाठी, चूड़ामणि बाड़ोलिया,बैजनाथ कुशवाहा,गणेश चतुर्वेदी,युवा कांग्रेस विपिन सिंह बघेल,राम सिंह, यशवंत सिंह,सौरभ गुप्ता,शारदा पटेल,अक्षय राज दहिया,जितेंद्र पाठक,कुलदीप पाठक,बद्री कुशवाहा, सुनील कोरी,अनिल कॉल,शिवम पांडे,रविंद्र पटेल,फूल मेष रजक,हरबंस तिवारी,सुनील साकेत एवं मंडलम,सेक्टर,बीएलओ कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

40 वर्षीय युवक मृत अवस्था में गहदरा पुलिया पर मिला, मर्ग कायम, जांच प्रारंभ

अमानगंज - फरियादी बाबू लाल आदिवासी पिता चन्ना आदिवासी उम्र 45 निवासी गहदरा ने बताया कि मेरा भतीजा मृतक रामप्यारे आदिवासी पिता नोने लाल आदिवासी उम्र 40 निवासी गहदरा वन विभाग में चौकीदारी का काम करता था दिनांक 5 अक्टूबर को घर से चौकीदारी के लिए निकला जब 6 अक्टूबर की सुबह तक घर नहीं लौटा तो तलाश किया तो गहदरा की पुलिया पास मृत अवस्था में मिला। फरियादी की सूचना पर अमानगंज थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारम्भ कर दी।

रेडियो पर गूंजा वन्य प्राणी संरक्षण का संदेश

सलेहा। आकाशवाणी छतरपुर से प्रसारित कवि गोष्ठी 'रसावतरण' में वन मंडल दक्षिण पन्ना के बहुमुखी प्रतिभा के धनी वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतेश पटेल ने भाग लिया। उन्होंने 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक चल रहे वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के अवसर पर वन्य प्राणियों के प्रति जागरूकता और सहअस्तित्व अपनाने की अपील की।

नाले में मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई डूबने की आशंका

शाहनगर। थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरी हार के पास स्थित नाले में ममता कॉलोनी निवासी विष्णु कोल पिता गोविंद कोल का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हादसा पानी में डूबने से हुआ है। हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भावांतर योजना में 17 अक्टूबर तक होंगे पंजीयन

पन्ना। सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में प्रारंभ की गई भावांतर योजना में किसान पोर्टल पर अपना पंजीयन आगामी 17 अक्टूबर तक करा सकते हैं। भावांतर योजना को लागू करने के लिए जिला स्तर पर प्रशासनिक अमले को दायित्व सौंपा गया है। सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5328 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें और हितग्राही को सीधा लाभ मिलना चाहिए। उप संचालक कृषि ए.पी. सुमन ने बताया कि पन्ना जिले में अब तक मात्र 7 किसानों द्वारा ही भावांतर योजना में पंजीयन कराया गया है। भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य नियत तिथि तक निरंतर रूप से चलेगा। भावांतर की अवधि 24 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होकर 15 जनवरी 2026 तक रहेगी।

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के लिए अधिकारी तैनात

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 7 एवं 8 अक्टूबर, 2025 को कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस, कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित की गई है। बैठक की व्यवस्था के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने अपर सचिव सामान्य प्रशासन सुभाष कुमार द्विवेदी, उप सचिव डॉ. शैलेन्द्र हिनौतिया, दिलीप कापसे, जयेन्द्र कुमार विजयवत एवं अवर सचिव मनोज श्रीवास्तव को दायित्व सौंपे हैं।

पूनम की चांदनी रात भक्ति भाव में डूबे श्रद्धालुओं के जयकारों से गूँजा पन्ना

शरद पूर्णिमा की रात श्री प्राणनाथ मंदिर में उमड़े हजारों श्रद्धालु

महामति श्री प्राणनाथ मंदिर में पंचमी तक चलेंगी जागिनी रास की लीलायें

पन्ना। प्रणामी सम्प्रदाय के प्रमुख तीर्थ पद्मावतीपुरी धाम पन्ना में अन्तर्राष्ट्रीय शरदपूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। महामति श्री प्राणनाथ जी मंदिर में शरदपूर्णिमा की रात भक्ति भाव में डूबे श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाते हुए खूब नृत्य किया। हजारों सुन्दरसाथ व नगरवासियों ने श्री जी को निहारकर अपने नैनों को तृप्त किया। जैसे ही मध्य रात्रि में बंगला जी दरबार साहब से श्री जी की सवारी रासमण्डल के लिये निकली, वैसे ही रास के रचइया की, श्री प्राणनाथ प्यारे के जयकारों से पन्ना नगरी गूंज उठी।

राज जी-श्यामा जी की अलौकिक अखण्ड रासलीला, जागिनी रास का दर्शन कराया था-

उल्लेखनीय है कि श्री प्राणनाथ जी ने सुन्दरसाथ जी को श्री राज जी-श्यामा जी की अलौकिक अखण्ड रासलीला, जागिनी रास का दर्शन कराया था। प्रणामी धर्म का सबसे पवित्र धाम श्री गुम्बट जी मन्दिर जिसका प्रांगण बृह्म चबूतरा कहा जाता है। यहीं पर श्री प्राणनाथ जी ने अपने परम स्नेही सुन्दरसाथ जी को श्री राज जी-श्यामा जी की अलौकिक अखण्ड रासलीला, जागिनी रास का दर्शन कराया था। इसीलिये इसे जागिनी लीला भी कहा जाता है। उसी समय से अन्तर्राष्ट्रीय शरदपूर्णिमा महोत्सव का यहां पर बड़े ही धूमधाम और भक्ति भाव के साथ आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु यहां विराजमान साक्षात अक्षरातीत पूर्णबृह्म के अलौकिक रास के आनंद में सराबोर होते हैं। सोमवार पूनम की रात जैसे ही श्रीजी की भव्य सवारी बंगला जी दरबार साहब से रासमण्डल में आई तो वहां उपस्थित हजारों सुन्दरसाथ अपने पिया के साथ प्रेम रंग में डूब गये। यह अखण्ड रास का आयोजन पांच दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शरदपूर्णिमा उत्सव के रूप में रात-दिन चलेगा।

श्री राज जी महाराज के दिव्य शोभा यात्रा को मन्दिर के पुजारियों द्वारा अपने कंधों पर पूर्ण भाव के साथ रास मंडल लाई गई। इस महोत्सव में प्रणामी धर्म के सभी गादीपति, धर्मगुरू व संतगण उपस्थित रहकर कार्यक्रम में शामिल होते हैं। सर्वप्रथम श्री बंगला जी मन्दिर में सेवा, पूजा व आरती हुई। तत्पश्चात श्री राज जी महाराज के दिव्य सिंहासन को मन्दिर के पुजारियों द्वारा अपने कंधों

पर लेकर श्री प्राणनाथ जी के जयघोष के साथ शोभयात्रा रात्रि ठीक 12 बजे निकली। शोभायात्रा निकलते ही उपस्थित हजारों की संख्या में प्रणामी धर्मावलम्बी सुन्दरसाथ की भावनायें व उत्साह कुछ ऐसा दिखा जैसे कि श्री प्राणनाथ जी स्वयं पालकी में विराजमान हों। शोभायात्रा बृह्म चबूतरे पर ही स्थित रासमण्डल में पधराई गई। श्री राज जी की शोभयात्रा की एक झलक पाने के लिये सुन्दरसाथ बेताब दिखे। देश के कोने-कोने से आये सुन्दरसाथ पारम्परिक वेशभूषा में सुसज्जित अपनी-अपनी बोलियों में भजन-कीर्तन करते नजर आये।

ऐसा भाव और उत्साह कहीं और देखने को नहीं मिलता-

श्री राज जी महाराज के दिव्य शोभा यात्रा जैसे ही बंगला जी दरबार साहब से श्री जी की सवारी रासमण्डल के लिये निकली, वैसे ही उपस्थित हजारों की संख्या में श्रद्धालु सुंदर साथ का उत्साह ऐसा दिख रहा था कि वह धनी जी के रंग में रंग गए हो। नाचते गाते हुए अपने पिया को रास मंडल की ओर पूरी श्रद्धा भाव के साथ ले जाते हैं। ऐसा महसूस होता है कि पूरा ब्रह्मांड यहीं पर आकर एकत्रित हो गया हो।

सहभागी ग्रामीण आंकलन से बनेगी ग्राम विकास की योजना

जल संरक्षण, पेयजल एवं जलवायु अनुकूल खेती पर जोर

पन्ना। स्वयंसेवी संस्था समर्थन प्रत्येक वर्ष ग्राम विकास योजना एवं जीपीडीपी निर्माण में गांव के लोगो का नियोजन दल को सहयोग करता आ रहा है। समर्थन जिले के अजयगढ़ के गांव एवं पन्ना पवई में भी सीधे सहयोग करने की भूमिका में है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत जमुनहाई (ग्राम मठली) में ग्राम विकास कार्य योजना पर बैठक की गई। ग्राम पंचायत जमुनहाई के ग्राम मठली में समुदाय के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामवासियों ने जलवायु परिवर्तन के दुश्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की और कृशि लागत को कम करने तथा आजीविका सुधार हेतु विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई। कृशि सुधार कार्यों के अंतर्गत 11 परिवारों में मैढ़ बंधान, 8 कूपों की मरम्मत एवं 1 तालाब की गहरीकरण एवं पार मरम्मति का निर्णय लिया गया। साथ ही हैण्डपम्प के पास सोक पिट का निर्माण कार्य किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने हेतु 15 परिवारों को मोटे अनाज, की खेती हैतु चायन किया। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने हेतु वृक्षारोपण कार्यम भी प्रस्तावित किया गया, जिसके तहत जमनहाई से मठली तक रोड के दोनों ओर पौधारोपण किया जाएगा। साथ ही 2 परिवारों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर भी वृक्षारोपण किया जाएगा। महिला सषक्तिकरण हेतु 10 महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रषिक्षण एवं 15 महिलाओं को मषरूम उत्पादन का प्रषिक्षण दिलाने की योजना बनाई गई। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि ग्राम मठली में कुल 141 परिवार हैं, जिनमें 47 भूमि धारक एवं 94 भूमिहीन परिवार षामिल हैं। इनमें से 11 परिवार महिला मुखिया परिवार भी सामिल हैं। इस प्रकार बैठक में ग्राम विकास की समग्र योजना बनाते हुए जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने और सामुदायिक आजीविका को सुदृढ़ बनाने का ठोस खाका तैयार किया गया। एवं संसाधन व प्रस्तावित मानचित्र तैयार किया गया। नियोजन दल में सहजकर्ता की भूमिका चालीराजा एवं कपूर सिंह ने निभाई गांव के साभी लोगो ने अपनी वात को योजना में जुड़वाया।

डीएपी और यूरिया खाद बीज किसानों को तत्काल उपलब्ध करायें जिम्मेदार अधिकारी - माधवेंद्र सिंह

पन्ना। पन्ना जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष किसन नेता माधवेंद्र सिंह परमार उर्फ मध्धु राजा ने जिले की नवागत कलेक्टर उषा परमार एवं जिम्मेदार खाद एवं बीज विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से उन्होंने आग्रह किया है कि इस वर्ष वरिश अधिक होने के कारण किसानों को खरीफ की आषाढी फसल प्राप्त नहीं हुई है। जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। अब रबी की फसलें सर्दियों में बोई जाती हैं, आमतौर पर अक्टूबर से दिसंबर के बीच, और वसंत में (मार्च/अप्रैल) काटी जाती हैं। वहीं, खरीफ की फसलें मानसून के आगमन के साथ, जून-जुलाई में बोई जाती हैं और शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) में काटी जाती हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष पूर्व उपाध्यक्ष माधवेंद्र सिंह परमार ने कहा कि पन्ना जिले में खरीफ की फसल मे

तिला उर्द मूंग सोयाबीन की फसल अधिक बोयी जाती है। इस वर्ष अधिक बारिश होने के कारण किसानों को इस फसल मे भारी नुकसान हुआ है ।अति व्रष्टि और तेज हवा से धान फसलों में भी कुछ नुकसान हुआ है। अब रवि की फसलों की वुवाई शुरू हो गई है। ऐसे में पन्ना जिले के सभी किसानों को डीएपी खाद यूरिया खाद तथा गोदाम से खाद बीज समय पर उपलब्ध कराया जाए , ताकि किसान भाई समय रहते अपनी फसलों की वुबाई कर सके। जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष श्री परमार ने यह भी कहा कि कई गांव में किसानों के विधुत ट्रांसफार्मर जले पड़े हुए हैं ,जिनको शीघ्र बदलवाया जाए। ताकि किसान अपनी फसलों में समय पर सिंचाई का कार्य पूर्ण कर सकें ।जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष श्री परमार ने पन्ना जिले के सभी जिम्मेदार अधिकारी एवं नेताओं से भी आग्रह किया है की अपने अपने क्षेत्र में व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें ताकि ,जिले के खाद - बीज ,विधुत विभाग के अधिकारी किसान भाइयों को परेशान ना कर सके ।

संविदा पद के लिए साक्षात्कार 11 एवं 12 अक्टूबर को

पन्ना। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय पन्ना अंतर्गत संचालित लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम पन्ना में एक वर्षीय संविदा आधार पर विभिन्न पदों की नियुक्ति के लिए पूर्व में आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे, जिसके तहत चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के एक, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के दो तथा असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के संविदा आधारित तीन पद पर भर्ती की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल का साक्षात्कार आगामी 11 अक्टूबर को दोपहर 2:30 बजे से तथा असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल का साक्षात्कार 12 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से आयोजित किया गया है। प्राधिकरण के सचिव ने जानकारी दी कि जो आवेदक किसी कारणवश आवेदन करते समय पूर्ण दस्तावेज संलग्न नहीं कर सके हैं, वे साक्षात्कार के दौरान 4 सितम्बर 2025 तक के असंलग्न दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। संविदा भर्ती के संबंध में विस्तृत सूचना उच्च न्यायालय जबलपुर एवं जिला न्यायालय पन्ना की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। इसके अलावा प्राधिकरण कार्यालय में भी संपर्क कर वांछित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्यमंत्री की उपेक्षा से देवेंद्र नगर में घोर निराशा

मुख्यमंत्री के दौरे से टूटी उम्मीदें, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय की हर मांग अधूरी, अब उजड़ने की कगार पर पूरा नगर

देवेंद्रनगर। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पांचवीं बार सत्ता में है, लेकिन पन्ना जिले का प्रमुख नगर देवेंद्रनगर अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। वर्षों से लंबित मांगें अब नागरिकों के आक्रोश का कारण बन रही हैं। नगरवासियों की सबसे पुरानी और प्रमुख मांग बाईपास सड़क निर्माण की है, जिससे नेशनल हाईवे के बीच बसे इस व्यवसायिक नगर को राहत मिल सके। परंतु इसके बजाय सरकार फोरलेन सड़क परियोजना के नाम पर नगर को ही उजाड़ने की तैयारी में है। लोगों को डर है कि कहीं अचानक आदेश जारी कर आधा नगर सड़क में न समा जाए, जिससे सैकड़ों परिवार विस्थापित हो जाएं और देवेंद्रनगर का बाजार श्मशान जैसी स्थिति में पहुँच जाए।

शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय -तीनों मोर्चों पर उपेक्षा-

देवेंद्रनगर में सिविल अस्पताल, एसडीएम कोर्ट, नोटरी कार्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, आईटीआई कॉलेज और पॉलीटेक्निक कॉलेज कृ सब कुछ सिर्फ कागजों तक सीमित है। शासकीय स्नातक महाविद्यालय में आज भी विज्ञान और वाणिज्य संकाय की पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी है, जबकि आसपास के छोटे नगरों में यह सुविधा वर्षों से उपलब्ध है। नगरवासी जब भी भाजपा नेताओं, विधायकों या सांसदों से अपनी मांगें रखते थे, तो हर बार यही जवाब मिलता था।

"मुख्यमंत्री जब पन्ना दौरे पर आएंगे, तब सौगात मिलेगी।"

लेकिन जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हाल ही में अमानगंज पहुंचे, तो वहां भी केवल लुभावने भाषण हुए, और देवेंद्रनगर के हिस्से में फिर वही निराशा और उपेक्षा आई। स्वास्थ्य सेवाएं समर्पित, पर संसाधन नगण्य देवेंद्रनगर की स्वास्थ्य सेवाएं अपने समर्पण और कार्यकुशलता के लिए जानी जाती हैं। यहाँ के डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी सीमित संसाधनों में भी लगातार सेवा कर रहे हैं तथा प्रदेश व केंद्र स्तर पर सम्मानित हो चुके हैं। फिर भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, उपकरणों का अभाव और भवन की अपूर्णता के कारण मरीजों को पन्ना, सतना या जबलपुर तक जाना पड़ता है। देवेंद्रनगर में पहले से 30 बिस्तरों वाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है, पर मुख्यमंत्री द्वारा फिर से 30 बिस्तर अस्पताल की घोषणा ने नागरिकों को भ्रमित कर दिया। अस्पताल हाईवे के किनारे स्थित है, और यदि फोरलेन सड़क नगर से होकर निकली तो सबसे पहले यही अस्पताल उजड़ जाएगा। स्थानीय नागरिकों की मांग है कि देवेंद्रनगर में पूर्ण सिविल अस्पताल की स्थापना की जाए तथा महिला चिकित्सक (गाइनेकोलॉजिस्ट) की तत्काल नियुक्ति हो।

फोरलेन का भय-तीन वर्ष से थमी हैं विकास की सांसें-

फोरलेन निर्माण की घोषणा के बाद से नगर के विकास पर जैसे विराम लग गया है। तीन वर्ष से लोग भय में जी रहे हैं। न कोई घर की मरम्मत करा पा रहा, न नया निर्माण हो पा रहा है। संपत्तियों की खरीद-फरोख्त ठप है और निवेशक पीछे हट चुके हैं। मुख्य बाजार सड़क के किनारे स्थित है। यदि चौड़ीकरण हुआ तो सैकड़ों दुकानों पर ताले लगेंगे और व्यापारिक जीवन समाप्त हो जाएगा। लोगों को डर है कि सड़क निर्माण के दौरान अचानक नोटिस जारी होंगे, जबकि किसी के पास न धन है, न समय कि नया घर या दुकान तैयार कर सके। कई लोगों ने अपने जीवन की पूरी पूँजी, बच्चों की बचत और पत्नी के जेवर बेचकर मकान बनाए हैं। अब वही घर उजड़ने की कगार पर हैं।

सलेहा से नागौद मार्ग पर गंज और बम्हौर के बीच मुख्य सड़क मार्ग पर जानलेवा गड्ढे

राहगीरों को मुसीबत बन गए सड़कों के गड्ढे, जिम्मेदार बेखबर

देवेन्द्रनगर। विकास के खोखले दावों की पोल खोल रही है सलेहा से गंज मार्ग की सड़क मगर सरकार के नुमाइंदे तरक्की" का ढोल पीटते रहते हैं सलेहा से नागौद मार्ग पर सलेहा और गंज की बीच की सड़क वर्षों से जर्जर अवस्था में है इस सड़क की डामल परत उखड़ गई है सड़क की गिट्टी निकल आईं हैं यह सडक वाहनों के चलने लायक नहीं बची बम्हौर टोला के पास सड़क के दोनों तरफ गहरे गड्ढे हो गए हैं इन गड्ढों में पानी भरा है कईअनजान वाहन चालक हादसे के शिकार हो गये है और कई बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। जिन्हें सतना के अस्पताल में भर्ती कराया गया गड्ढे इतने गहरे हैं कभी भी जानलेवा हादशा हो सकता है। वैसे तो यह पूरा मार्ग जर्जर है पर मार्ग के गड्ढे राहगीरों को किसी बड़ी मुसीबत से कम नहीं है जबकी चौमुख नाथ मंदिर जिलेभर की आस्था का केंद्र है वहां अफसर से लेकर जनप्रतिनिधि अक्सर आते जाते है पर सब के सब बेपरवाह होकर

नजर अंदाज कर रहे हैं जब सड़कों में पानी भर जाता है तो गड्ढे दिखना बंद हो जाते हैं और इन्हीं गड्ढों में हादसे हो रहे हैं अगर इन गड्ढों का सुधार नहीं किया गया तो किसी राहगीर के लिए जानलेवा साबित होंगे क्षेत्रीय लोगों ने सड़क सुधरवाने की मांग की है पर न कोई विभागीय अफसर न कोई जिम्मेदार जनप्रतिनिधि राहगीरों की समास्या से बेपरवाह होकर सड़क की मरम्मत करवा रहा है क्या खबर के बाद लोगों को जानलेवा गड्ढों से निजात मिलेगी या दुर्घटना से इसी तरह राहगीर शिकार होते रहेंगे।

शरद पूर्णिमा महोत्सव के दौरान खोई हुई 3 वर्ष की बालिका सकुशल परिजनों को सौंपी गई

पन्ना। पन्ना में चल रहे शरद पूर्णिमा उत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल हो रहे हैं। इसी दौरान आज दिनांक 06.10.2025 को एफ.आर.बी.-08 में सूचना प्राप्त हुई कि एक लगभग 3 वर्ष की बालिका, जो हाथों में चूड़ियां पहने हुई थी तथा बोल नहीं पा रही थी, नेशनल पब्लिक स्कूल के पास सड़क किनारे मिली है। एफ.आर.बी.-08 में लगे स्टाफ द्वारा तत्काल थाना को सूचना दी गई। थाना पन्ना द्वारा मेला चौकी के ग्रुप में बालिका की फोटो शेयर की गई, जिसके बाद लगभग एक घंटे के भीतर बच्ची की मां की पहचान हो गई। बच्ची की मां पूनम

राजपूत पति सतीश राजपूत निवासी ग्राम सतारा, थाना अलीगंज, जिला बरेली (उत्तर प्रदेश) ने बताया कि वह अपने क्षेत्र के लोगों के साथ प्राणनाथ मंदिर में दर्शन करने एवं मेला में सम्मिलित होने आई थी, इसी दौरान उसकी बच्ची जानवी राजपूत (उम्र लगभग 3 वर्ष) भीड़ में बिछड़ गई थी। पुलिस द्वारा बच्ची को सकुशल उसकी मां के सुपुर्द किया गया। बच्ची को उसकी मां से मिलवाने में प्रधान आरक्षक लेखक बृषकेतु रावत एवं एफ.आर.बी.-08 में लगे आरक्षक धर्मेंद्र प्रजापति एवं पायलट नीरज आरख का विशेष योगदान रहा।

इंडिया स्किल कॉम्पीटिशन के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर

पन्ना। वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता 2025 अंतर्गत इंडिया स्किल कॉम्पीटिशन के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है। इस प्रतियोगिता में युवाओं की सहभागिता के लिए शैक्षणिक योग्यता की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन युवाओं की उम्र 16 से 24 वर्ष के मध्य होना चाहिए। उम्मीदवार के हुनर और कौशल आधारित इस प्रतियोगिता में युवक-युवतियां स्किल इंडिया डिजिटल हब पोर्टल पर पंजीयन कर सकते हैं। प्रतियोगिता का आयोजन जिला, संभाग, प्रदेश और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी होगा। इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल, कॉरपेंटर, वेल्डर, ऑटोमोबाइल, फैशन, आईटी, ज्वेलरी डिजाइन, पेंटिंग, रेफ्रिजरेशन, एयर कंडीशन, ग्राफिक डिजाइन, होटल रिसेप्सन, प्लम्बर जैसे कुल 63 विषयों में कौशल रखने वाले युवा आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए शासकीय आईटीआई पन्ना में संपर्क किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

फिर सामने आई ड्रोन की अफवाह

पुलिस जांच में मिला बच्चों का खिलौना

छतरपुर। उत्तरप्रदेश की सीमा से सटे जिले के ग्रामीण अंचलों में ड्रोन दिखाई देने की सूचनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बीती रात एक बार फिर प्रकाश बम्हौरी थाना क्षेत्र के ग्राम बदौरा में ड्रोन दिखाई देने की सूचना पुलिस को मिली। हालांकि जब पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की तो ड्रोन की जगह बच्चों का खिलौना पुलिस को मिला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकाश बम्हौरी थाना क्षेत्र के ग्राम बदौरा के ग्रामीणों ने पुलिस को फोन पर सूचना दी कि गांव के एक स्थान पर ड्रोन उड़ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो पता चला कि हवा में उडऩे वाली वस्तु ड्रोन नहीं बल्कि किसी बच्चे का खिलौना (हेलीकॉप्टर) है, जिसमें लाल और नीली लाईट जल रही थी। मामला उजागर होने के बाद गांव के लोगों ने राहत की सांस ली, वहीं पुलिस ने गांव के लोगों और छोटे बच्चों को इस तरह की शरारत न करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने 2 अनावेदकों पर 2 लाख 79 हजार से अधिक राशि की पेनाल्टी अधिरोपित की

अनावेदकों ने स्वीकार किया अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन

छतरपुर। कलेक्टर छतरपुर पार्थ जैसवाल ने 2 अनावेदक के खिलाफ अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन व भंडारण करने पर खनिज विभाग में दर्ज प्रकरणों में प्रतिवेदन के आधार पर 6 अक्टूबर 2025 को कुल 2 लाख 79 हजार 600 रुपए राशि की पेनाल्टी अधिरोपित कर रजत चौधरी को 150000 रूपये एवं प्रत्यूष छावड़ा को 129600 रूपये की पेनाल्टी राशि जमा कराने के आदेश दिए गए। जिला खनिज अधिकारी अमित मिश्रा ने बताया कि खनिज उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन करते हुए पाए जाने पर सहा. खनि अधिकारी द्वारा सभी अनावेदक के वाहन ट्रेक्टर द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जब्त कर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन, तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18 (2) के उप-नियम (1) के प्रावधानों के अंतर्गत निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्राप्त हुआ था। उक्त सम्बंधित पर प्रकरण दर्ज कर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। जिसके जवाब अनावेदक वाहन चालकों ने उपस्थित होकर दिए और बगैर ईटीपी खनिज उत्खनन, परिवहन व भंडारण के अपराध को स्वीकार किया। उपरोक्त प्रकरणों में कलेक्टर श्री जैसवाल द्वारा सम्बन्धित के विरुद्ध पेनाल्टी राशि अधिरोपित कर अनावेदक वाहन चालकों द्वारा अर्थशास्ति व प्रशनन की राशि का भुगतान कर देने के उपरांत प्रकरण का प्रशमन कर वाहन मुक्त करने का खनिज विभाग को निर्देश दिया है।

सेंधपा समिति के तत्कालीन समिति प्रबंधक जाहर सिंह के विरूद्ध अपराध दर्ज करने प्रशासक ने की सिफारिश

छतरपुर। जिले कि सेवा सहकारी समिति सेंधपा शाखा बड़ामलहरा के तत्कालीन प्रबंधक जाहर के द्वारा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ट भोपाल में दिनांक 08.12.2022 को अपराध क्र. 102/2 धारा 109, 120(बी) भादवि 13(1) की 13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित 2018 पंजीवद्ध किया जाकर प्रकरण विवेचना में लिया गया। जिसके लिए अभियोजन स्वीकृति मांगी गई। समिति के प्रशासक ने अपने पत्र क्र./शाखा/2025 दिनांक 29.09.2025 द्वारा अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की है।

प्राथमिक सहकारी समिति सेंधपा के प्रशासक ने जो पत्र भेजा है उसमें बताया गया है कि जाहर सिंह सहायक समिति प्रबंधक सेंधपा के विरू द्ध पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई सागर म.प्र. के विवेचना अपराध अंतर्गत दण्डनीय अपराध के लिए न्यायालय में अभियोजित करने हेतु भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 19 संशोधित अधिनियम अभियोजन स्वीकृति दी जाने हेतु उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहका री संस्थाएं छतरपुर का पत्र क्र./विधि/2025/521 छतरपुर दिनांक 19.09.2025 प्राप्त हुआ। जाहर सिंह 01.08.1997 को अंशकालीन कर्मचारी मासिक 480 रूपये के विक्रेता के पद पर नियुक्त हुये थे। जिन्हें 31.12.2022 तक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बडामलहरा से वेतन के रूप में 2028612 रूपये प्राप्त हुए। आवेदक अयोध्या प्रसाद बाजपेयी निवासी लखेरा चौराहा सीताराम कालोनी छतरपुर द्वारा जाहर के पास अनुपातहीन चल अचल संपत्ति होने की शिकायत की गई थी। शिकायत की जांच उपरांत प्रथम दृष्टया पाया गया कि जाहर सिंह ने पद का दुरूपयोग कर अपने व परिवारजनों के नाम से 20668804 रूपये आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। जिसके प्रमाण पाये गये जाने पर जाहर एवं अन्य 6 परिजनों के विरू द्ध आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल में उक्त धाराओं के तहत मामला पंजीवद्ध किया गया था। प्रकरण में विवेचना के बाद जाहर सिंह सहायक समिति प्रबंधक सेंधपा के विरूद्ध अपने पद का दुरूपयोग कर स्वयं एवं अपने परिवारजनों श्रीमती गुड्डी बाई, यादवेन्द्र सिंह, अभय प्रताप सिंह, कृष्ण प्रताप सिंह एवं श्रीमती अंजना सिंह निवासी घुवारा के साथ मिलकर कुल वैध आय 12945534 रूपये की तुलना में 31255426 रूपये अधिक की असमानुपातिक संपत्ति अर्जित करना प्रमाणित पाया गया। जो जाहर सिंह की वैध आय की तुलना में 241.33 प्रतिशत अधिक संपत्ति पाई गई है। वर्तमान में अध्यक्ष संचालक मण्डल का कार्यकाल समाप्त होने से संचालक मण्डल के स्थान पर संस्था के कार्य संचालन हेतु म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-49 की उपधारा 7 के खण्ड (बी/ख) के अंतर्गत प्रशासक नियुक्त हैं। इसलिए प्रशासक को अभियोजन स्वीकृति का अधिकार है और प्रशासक द्वारा अभियोजन स्वीकृति प्रदान की गई है।

दबंग ने शासकीय भूमि पर किया कब्जा, नहर का पानी रोका

कलेक्टर के पास शिकायत करने पहुंचे दर्जनों ग्रामीण

छतरपुर। जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम बगौता के दर्जनों ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि गांव के एक दबंग व्यक्ति द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा कर लिया गया है और इसके साथ ही तालाब से निकली नहर के पानी को भी रोका जा रहा है, जिससे वह परेशान हैं। बगौता निवासी पुष्पराज सिंह चंदेल ने बताया कि गांव का रहने वाला प्रमोद धाकड़ दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है। प्रमोद द्वारा गांव की शासकीय भूमि पर कब्जा कर मकान बना लिया गया है और उसके घर के पास से निकली तालाब की नहर के पानी को रोका जा रहा है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि प्रमोद द्वारा इसी शासकीय भूमि पर अवैध प्लॉटिंग भी की जा रही है। कुछ दिनों पहले जब पंचायत द्वारा खेत-तालाब का निर्माण कराया जा रहा था तब उसमें भी प्रमोद ने आपत्ति लगाई थी। ग्रामीणों ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति प्रमोद का विरोध करता है तो उसके द्वारा हरिजन एक्ट का झूठा मामला दर्ज कराने की धमकी दी जाती है। ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने, अवैध प्लॉटिंग पर रोक लगाने और प्रमोद के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई कराने की मांग की है।

पैतृक प्लॉट पर किया जा रहा कब्जा

एसपी से मदद मांगने पहुंचा परेशान परिवार

छतरपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम नारायणपुरा के रहने वाले परमार परिवार के पैतृक प्लॉट पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। अतिक्रमणकारियों से परेशान परमार परिवार ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

नारायणपुरा निवासी अरविंद सिंह परमार ने बताया कि ग्राम कटारा के रहने वाले हीरालाल यादव और उसके साथी मल्ला यादव के द्वारा नारायणपुरा में स्थित उसके पैतृक प्लॉट पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। अरविंद ने बताया कि उक्त मामला एसडीएम कोर्ट में विचाराधीन है और एसडीएम द्वारा स्टे दिया गया है, इसके बावजूद हीरालाल और मल्ला यादव द्वारा प्लॉट पर बार-बार निर्माण कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा पूर्व में उनके द्वारा प्लॉट पर रखे सामान की चोरी भी करवाई गई है। अरविंद ने बताया कि पूर्व में वह ओरछा रोड थाना में मामले की शिकायत कर चुका है लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। एसपी कार्यालय में आवेदन देकर अरविंद ने कार्रवाई की मांग की है।

गर्भवती विधवा के ससुराल वाले कर रहे घोर अन्याय

पीड़ित महिला ने एसपी को सुनाई फरियाद, हक दिलाने की मांग

छतरपुर। लवकुशनगर थाना क्षेत्र के ग्राम नगरौली की रहने वाली एक गर्भवती विधवा के साथ उसके ससुराल वालों द्वारा घोर अन्याय किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायती आवेदन देकर न्याय और उसका हक दिलाने की मांग की है।आवेदन देने आई संगीता पत्नि स्व. दिग्विजय पटेल ने बताया कि 26 जुलाई 2025 को उसके पति की करंट लगने से मौत हो गई थी। उसके दो बच्चे हैं जिनकी उम्र क्रमशः 2 एवं 4 वर्ष है। इसके अलावा वह तीन माह की गर्भवती भी है। संगीता ने बताया कि उसका पति छतरपुर की एक कंपनी में काम करता था, जिसके द्वारा पति की मौत के बाद सहायता के तौर पर उसे 1 लाख 40 हजार रुपए दिए गए थे। संगीता का आरोप है कि 18 सितंबर को उसके ससुर कल्लू पटेल और सास मीरा पटेल ने नंदाई शोभालाल, मामा चतुरेश और मौसा रामशरण के बहकावे में आकर उसे तथा उसके दोनों बच्चों को घर से निकाल दिया। साथ ही उसके 1 लाख 40 हजार रुपए और सारे जेवरात भी छीन लिए। संगीता ने बताया कि उक्त घटना की शिकायत उसने लवकुशनगर थाना में की थी लेकिन पुलिस ने जांच की बात कहकर उसे मायके नरेनी जिला बांदा उत्तरप्रदेश भेज दिया था। लगभग 20 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। एसपी ऑफिस में आवेदन देकर संगीता ने उसका हक उसे दिलाने की मांग की है।

प्रदर्शनी से स्थानीय व्यापारियों का कारोबार प्रभावित, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर

शहर के मेला ग्राउंड के आधे हिस्से में प्रशासन द्वारा वर्ष में लगभग छह माह तक मेला प्रदर्शनी आयोजित करने की अनुमति दी जाती है। इस कारण स्थानीय व्यापारियों, विशेष रूप से कपड़ा और सब्जी विक्रेताओं के कारोबार पर गहरा असर पड़ रहा है। कई छोटे दुकानदारों की दुकानदारी तो ठप होने की कगार पर पहुंच गई है।

जानकारी के अनुसार मेला ग्राउंड की भूमि नजूल शाखा के अधीन है, जिसमें नियमों के तहत कलेक्टर को ही अनुमति देने का अधिकार है। बावजूद इसके नगर पालिका की सीएमओ और एसडीएम स्तर से मेला ठेकेदारों को गुपचुप तरीके से ग्राउंड का आवंटन कर दिया जाता है। स्थानीय व्यापारियों के बार-बार विरोध के बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

व्यापारियों ने बताया कि मेला प्रदर्शनी लगने से कपड़ा व्यापार सबसे अधिक प्रभावित होता है। क्योंकि गर्मी और सर्दी का मौसम कपड़ा बिक्री का मुख्य समय होता है, लेकिन इस दौरान बाहर के व्यापारी मेला ग्राउंड में दुकानें लगाते हैं। इससे स्थानीय दुकानदारों का व्यापार ठप हो रहा है। व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया कि मेला ग्राउंड में रात के समय मेला ठेकेदारों और उनके कर्मचारियों द्वारा नशाखोरी की जाती है। जिससे शाम सात बजे के बाद यह क्षेत्र असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है।

मेला ठेकेदार लोकल फॉर वोकल के नाम पर अधिकारियों को गुमराह करते हैं, जबकि प्रदर्शनी में लगने वाली करीब 90 प्रतिशत दुकानें बाहरी व्यापारियों की होती हैं। मेला ग्राउंड का एक हिस्सा रविवार हॉट बाजार के लिए आरक्षित है, लेकिन पिछले तीन वर्षों से लगातार प्रदर्शनी लगने से सब्जी विक्रेताओं का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। उन्हें अपनी दुकानें लगाने के लिए उचित स्थान नहीं मिल पा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि मेला प्रदर्शनी के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी तरह नियमविरुद्ध और अपारदर्शी है। बाहरी ठेकेदार सीधे अधिकारियों से संपर्क कर अनुमति प्राप्त कर लेते हैं, जबकि स्थानीय व्यापारियों को इसकी जानकारी तक नहीं दी जाती। व्यापारियों ने मांग की है कि मेला प्रदर्शनी की अनुमति प्रक्रिया की जांच कराते हुए या तो इसे पूर्ण रूप से रोका जाए अथवा इसे पारदर्शी बनाया जाए, जिससे स्थानीय व्यापारी भी इसमें भाग ले सकें। इस मौके पर बल्देव प्रसाद चौरसिया, जयप्रकाश पहारिया, कोमल असाटी, पुष्पेन्द्र कुमार चौरसिया, नरेन्द्र कुमार चौरसिया, धरमदास गुप्ता सहित एक दर्जन व्यापारी मौजूद रहे।

अचानक 100 से 1200 हुई विद्युत बिलों की राशि

नाराज ग्रामीणों ने विद्युत कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। पिछले कुछ समय से लगातार विद्युत विभाग बढ़े हुए बिजली बिलों के लिए सुर्खियों में हैं। आए दिन कहीं न कहीं विद्युत विभाग पर मनमानी के आरोप लग रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को छतरपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम खौंप-निवारी के ग्रामीणों ने छतरपुर विद्युत कार्यालय में आवेदन देकर अपनी परेशानी बताई और निराकरण करने की मांग रखी। निवारी के रहने वाले भगवतशरण रावत ने बताया कि दो माह पहले तक उनका बिल 150 से 200 रुपए के बीच आता था लेकिन पिछले माह अचानक बिल की राशि 500 हो गई। इतना ही नहीं इस माह उन्हें 1250 रुपए का बिल मिला है, जबकि पिछले माह की खपत और इस माह की खपत एक समान 165 यूनिट है। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग मनमाने तरीके से ग्रामीणों को बिल थमा रहा है, जो कि उचित नहीं। एक अन्य ग्रामीण ओमप्रकाश पांडे ने बताया कि गांव में लोगों के बिल अब तक 100 से 500 रुपए आते थे लेकिन पिछले दो माह से यही बिल 500 से 4000 तक आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि गांव में ज्यादातर किसान और मजदूर वर्ग के लोग रहते हैं, जिनके लिए इतने अधिक बिल का भुगतान करना कठिन है। इसके अलावा कुछ ग्रामीणों ने अघोषित कटौती किए जाने, शिकायतों का समाधान न किए जाने और विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा फोन पर ठीक से बात न किए जाने की शिकायत भी की। ग्रामीणों ने छतरपुर कार्यालय में पदस्थ कार्यपालन यंत्री को आवेदन देकर समस्या का निदान करने की मांग की है।

इनका कहना है

ग्राम खौंप-निवारी के ग्रामीणों ने आवेदन दिया है, जिसकी जांच की जाएगी। जो भी विसंगतियां होंगी उन्हें दूर कराया जाएगा।

अमर श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री, विद्युत

गढ़ीमलहरा में करोड़ों के विकास कार्यों का हुआ शिलान्यास

विधायक ने की स्टेडियम बनाने की घोषणा, समस्यायें भी सुनीं

गढ़ीमलहरा। महाराजपुर विधायक कामाख्या प्रताप सिंह ने गढ़ीमलहरा में होने वाले आठ निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों की लागत करोड़ों में है जो कि नगर परिषद और विधायक निधि से संपन्न होंगे। नगर परिषद मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक ने सभी कार्यों का भूमिपूजन करते हुए नगवासियों को विकास की सौगात दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन विधायक द्वारा किया गया है, उनमें वार्ड 13 में खेरे की माता मंदिर परिसर में सत्संग भवन निर्माण कार्य और वार्ड 11 में रैकवार समाज के लिए विवाह घर का निर्माण कार्य शामिल है। उक्त कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे विधायक का वार्ड 13 में पार्षद जयप्रकाश सोनी द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक ने लोगों को विधानसभा में किए जा रहे विकासकार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समूची विधानसभा में खेलप्रेमियों के लिए पांच स्टेडियम बनाए जाना है, जिनमें से एक गढ़ीमलहरा में होगा। इस दौरान विधायक ने लोगों की समस्याऐं भी सुनीं। मुस्लिम समाज ने कब्रिस्तान जाने वाले मार्ग को सीसी कराने तथा बाउंड्री वाल का निर्माण कराने की मांग की, जिस पर विधायक ने सकारात्मक आश्वासन दिया है। इस मौके पर पूर्व विधायक मानवेंद्र सिंह भंवर राजा, नगर परिषद अध्यक्ष नीता-मनोज अहिरवार, उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार चौरसिया, नौगांव नगर पालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी, धीरेंद्र नायक, अशोक पटेल, आनंद चौरसिया, महेंद्र अहिरवार, पार्षद जयप्रकाश, राजदुलैया पटेल, राजकुमारी रैकवार के अलावा एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीएमओ इम्तियाज हुसैन आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में गौवंश की मौत होने के संबंध में सीएमओ बड़ामलहरा को कारण बताओ नोटिस जारी

एसडीएम ने दो दिन में मांगा जवाब, जवाब संतुष्टिपूर्ण नहीं होने पर होगी एक पक्षीय कार्यवाही

निर्देशों के बाद भी गौशालाओं में पशुओं को नहीं किया शिफ्ट

छतरपुर। छतरपुर जिले के बड़ामलहरा में 05 अक्टूबर 2025 को सड़क दुर्घटना में कई गौवंश की मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद सीएमओ नगरपरिषद बड़ामलहरा रामसजीवन पटेल द्वारा न तो मृत गौवंश का पोस्टमार्टम कराया गया और न ही सम्मानजनक अंतिम संस्कार किया गया। जिस कारण एसडीएम आयुष जैन ने सीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी कर 2 दिवस में जबाव मांगा है। साथ ही उल्लेख किया है कि अधोहस्ताक्षरी के द्वारा मृत गौवंश का सम्मानजनक अंतिम संस्कार किये जाने हेतु सम्बंधित को दूरभाष पर निर्देशित किया गया था। तब भ्रामक जानकारी देते हुए बताया गया कि मृत गौवंश को गड्ढों में दबाया गया है, किन्तु उनको गड्ढों में न दबाकर जंगल में फेंक दिया गया है। इसके साथ ही नगर के आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजे जाने हेतु आवश्यक कदम नहीं उठाए गए। जिस कारण आये दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। संबंधित के उक्त कृत्य से प्रतीत होता है कि पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही बरती गई है। अतएव उक्त संबंध में जबाव नोटिस प्राप्ति से दो दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। उक्त कृत्य के कारण क्यों न संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। जवाब समयावधि में प्रस्तुत न करने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी। जिसके लिये संबंधित स्वयं उत्तरदायी होगें।

सीईओ एवं सीएमओ बड़ामलहरा व घुवारा को स्मरण पत्र जारी

एसडीएम बड़ामलहरा आयुष जैन ने बताया कि विगत दिनों पत्र के माध्यम से सड़कों पर आवारा घूमने वाले पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवारा पशुओं को गौशालाओं में पहुँचाए जाने हेतु कर्मचारियों की रोस्टर ड्यूटी लगाए जाने हेतु तथा ड्यूटी आदेश की प्रति उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया था। किन्तु आज दिनांक तक जनपद सीईओ बड़ामलहरा, नगरपरिषद बड़ामलहरा एवं घुवारा सीएमओ द्वारा उक्त संबंध में कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है। अतएव पुनः स्मरण कराते हुए लेख किया गया है कि आवारा पशुओं को सड़कों से गौशालाओं में पहुँचाए जाने हेतु तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

एसडीएम बड़ामलहरा ने क्षेत्र की गौशालाओं का निरीक्षण करने पटवारियों की लगाई ड्यूटी

एसडीएम बड़ामलहरा आयुष जैन ने अनुभाग बड़ामलहरा अंतर्गत संचालित गौशालाओं में संबंधित हल्का पटवारियों की ड्यूटी लगाई। उक्त ड्यूटी गौशालाओं का निरीक्षण करने तथा निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु तत्काल प्रभाव से लगाई गई है। साथ ही संबंधित हल्का पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि गौशालाओं में दर्ज एवं उपस्थित गौवंश की संख्या, गौवंश को चारा, भूसा तथा जल आदि की उपलब्धता के संबंध में निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन 07 अक्टूबर 2025 को प्रस्तुत करें।

जिला दण्डाधिकारी छतरपुर ने 8 जिला बदर के प्रकरणों में की बड़ी कार्यवाही

1 अनावेदक को छः माह के लिए जिला बदर एवं 7 के विरूद्ध थाना हाजिरी देने की कार्यवाही हुई

छतरपुर।

जिला दण्डाधिकारी पार्थ जैसवाल ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर 6 अक्टूबर 2025 को 8 जिला बदर के प्रकरणों में एक अनावेदक के विरूद्ध जिला बदर एवं सात के विरूद्ध थाना हाजिरी देने की कार्यवाही की है। जिला दण्डाधिकारी श्री जैसवाल ने अनावेदक मोनू खान उर्फ पायलेट पिता जफर खान उम्र 25 वर्ष नजरबाग छतरपुर थाना कोतवाली की आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल नियंत्रण करने के उद्देश्य से म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3(2) एवं 5 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनावेदक को छः माह के लिए जिले एवं समीपवर्ती सीमा पर लगे हुए जिलों की भौगोलिक सीमाओं से निष्काषित किया है।

इसके अलावा गौरव प्रताप सिंह उर्फ वाणीराजा दलीपुर थाना बमनौरा, दद्दू उर्फ देवेन्द्र रैकवार परा चौकी थाना मातगुवां, बल्लू उर्फ बलवंत सिंह ठाकुर बारीगढ़ थाना जुझारनगर, अवधेश प्रताप सिंह उर्फ रासू राजा चैतगिरी कॉलोनी थाना कोतवाली छतरपुर, मुकेश उर्फ मुक्के कुशवाहा हनुमान टौरिया के पीछे थाना कोतवाली छतरपुर, सुकसाब उर्फ भज्जू यादव भर्षखेरा थाना बमनौरा एवं हल्के यादव भर्षखेरा थाना बमनौरा को आगामी 1 वर्ष तक सप्ताह में 2 दिन थाना हाजरी देने के निर्देश दिए हैं।

8 एवं 22 अक्टूबर को विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन

छतरपुर। म.प्र.विद्युत नियामक आयोग के निर्देशानुसार जिला छतरपुर के विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन सटई रोड पर स्थित अधीक्षण अभियंता (सं/सं) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.क.लि. कार्यालय छतरपुर में बुधवार 8 अक्टूबर एवं 22 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता म.प्र. पूर्व क्षेत्र वि.वि.कं.लि. छतरपुर ने अपील की है कि विद्युत उपभोक्ता नियत दिनांक एवं समय पर उपस्थित होकर शिकायत निवारण शिविर में अपनी शिकायतों को दर्ज करवाकर शिकायतों का निराकरण करा सकते हैं।

200 साल पुराने मंदिर में तोड़फोड़, प्रतिमाएं खंडित, ग्रामीणों में आक्रोश, मनगवां बस्ती का मामला

रीवा।

जिले के मनगवां बस्ती स्थित एक प्राचीन मंदिर को बीती रात अराजक तत्वों ने निशाना बनाते हुए भगवान हनुमान और गणेश की प्रतिमाओं को खंडित कर दिया। रविवार सुबह जब श्रद्धालु प्रतिदिन की तरह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे तो प्रतिमाएं खंडित देख स्तब्ध रह गए। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। बताया जा रहा है कि यह मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना है और स्थानीय श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने मंदिर परिसर में घुसकर जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने की नीयत से यह कृत्य किया है। खंडित प्रतिमाओं को देखकर गांव में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया है। मंदिर में हुई तोड़फोड़ के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। मनगवां पुलिस ने बताया कि मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और कुछ संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, जिनकी पहचान कर पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है,घटना के बाद हिंदू संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी घटना की कड़ी निंदा की है और पुलिस प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

करोड़ों की ग्रांट: फिर भी भूखे मर रहे हैं गोवंश, न गोशालाओं में चारा, न सड़क से राहत, ग्रामीण गोशालाएं बनीं खानापूर्ति का अड्डा

पशु रह रहे सड़क पर, जुलाई तक 40 रुपए प्रति गोवंश जारी, जमीन पर नहीं दिखा असर, शासन की योजनाएं कागजों में कैद, बेजुबानों की सुध लेने वाला कोई नहीं, जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

रीवा

सड़क पर बेसहारा घूमते गोवंश अब सिर्फ ग्रामीणों की फसलों के लिए खतरा नहीं, बल्कि राहगीरों के लिए भी मौत का खुला निमंत्रण बन चुके हैं। रीवा और मऊगंज जिले में निराश्रित मवेशियों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, जो शासन की लचर व्यवस्थाओं और प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोल रही है। हालात ये हैं कि हाईवे से लेकर गांव की गलियों तक, हर दो किलोमीटर पर मवेशियों का डेरा लगा है। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं और किसान खेतों में रातभर पहरा देने को मजबूर हैं। राज्य शासन ने ग्राम पंचायत स्तर पर गोशालाओं का निर्माण तो करा दिया, लेकिन उनके संचालन और गोवंश की देखभाल के लिए जरूरी संसाधन मुहैया नहीं कराए। जुलाई माह तक 40 रुपये प्रति गोवंश के हिसाब से बजट जारी किया गया, लेकिन यह राशि नाकाफी साबित हो रही है। पशु चिकित्सा विभाग के नोडल अधिकारियों द्वारा किए जाने वाला सत्यापन भी सवालों के घेरे में है। आरोप हैं कि गोशाला संचालकों और अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी आंकड़े तैयार किए जाते हैं, जबकि ज़मीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। रीवा और मऊगंज जिलों में लगभग 180 गोशालाएं संचालित हैं, परंतु इनमें अधिकांश में चारा और भूसे की भारी कमी है। दिनभर खुले में भटकने वाले गोवंश को

केवल रात में बंद किया जाता है, सुबह होते ही उन्हें फिर से छोड़ दिया जाता है।16 लाख गोवंश में सिर्फ 20 हजार को आश्रयइन दोनों जिलों में कुल गोवंश की संख्या 6 लाख से अधिक है। इनमें से लगभग 1 लाख 10 हजार निराश्रित गोवंश सड़कों और खेतों में खुले घूम रहे हैं। जबकि निजी और शासकीय गोशालाओं में केवल करीब 20 हजार गोवंश को ही आश्रय मिल सका है। सबसे बड़ी गोशाला बसामन मामा सेमरिया में 8 हजार और लक्ष्मण बाग गोशाला में 500 से अधिक गोवंश रखे गए हैं।बॉक्स किसानों की नींद उड़ी,

दुर्घटनाओं का बढ़ा खतराआवारा मवेशियों की वजह से किसानों की फसलें रातों-रात बर्बाद हो जाती हैं। धान, गेहूं, चना जैसी प्रमुख फसलें इन जानवरों का शिकार बनती हैं। दूसरी ओर, सड़कों पर झुंड के झुंड मवेशी यातायात में बाधा डालते हैं। खासकर हाईवे पर दोपहिया और छोटे वाहनों के लिए यह एक बड़ा खतरा बन चुका है। जानवरों के अचानक सड़क पार करने से हादसों का जोखिम कई गुना बढ़ गया है।बॉक्स रीवा-प्रयागराज हाईवे बना डेथ जोन रीवा से प्रयागराज और मिर्जापुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर मवेशियों की भारी संख्या में मौजूदगी ने स्थिति और भी भयावह बना दी है। रामनई, बेलवा पैकान, मनगवां, गंगेव, कटरा, सोहागी, चंदई जैसे क्षेत्रों में हर दो किलोमीटर पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।बॉक्स हर दिन 5 से 10 मवेशियों की सड़क हादसों में मौततेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर रोजाना 5 से 10 मवेशियों की मौत हो रही है। कई बार इनके शव कई घंटे सड़क पर पड़े रहते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। फिर भी टोल प्लाजा पर तैनात पेट्रोलिंग वाहन निष्क्रिय बने रहते हैं। हाईवे पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाने वाली निजी कंपनियां केवल टोल वसूली तक सीमित नजर आ रही हैं। हाल में ही एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था जिसमें टोल प्लाजा के कर्मचारी टोल की गाड़ी से गोवंश को बांधकर घसीटते हुए ले जाते नजर आ रहे हैं। इसके बाद कुछ सामाजिक संगठनों ने इस पर आपत्ति भी दर्ज कराई थी और कार्रवाई की मांग भी की है। ब्लॉक्स दो साल में नहीं बदली तस्वीर, हांका अभियान ठंडे बस्ते मेंकरीब दो साल पहले प्रशासन ने 'हांका अभियान' चलाकर मवेशियों को सड़कों से हटाने की कोशिश की थी। पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई कर कुछ जानवरों को गोशालाओं में भी भेजा गया, लेकिन यह अभियान महज चार दिन बाद ठप हो गया। इसके बाद से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं खोजा गया।

बच्चों के अस्पतालों और दवाई की दुकानों का किया गया निरीक्षणफार्मासिस्ट न होने पर दो दुकानें बंद कराई गई

रीवा । कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर शहर के निजी बच्चों के अस्पतालों और दवाई की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण जांच दल द्वारा किया गया। जांच दल ने रैनबो अस्पताल तथा चिल्ड्रन केयर हास्पिटल का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में विद्याभूषण मेडिकल, भारत मेडिकल, संजय मेडिकल, सत्य मेडिकल तथा गोपाल मेडिकल का निरीक्षण जांच दल द्वारा किया गया। विद्याभूषण मेडिकल तथा भारत मेडिकल में फार्मासिस्ट न उपस्थिति रहने पर दुकान बंद कराई गई। निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित कोल्ड सिरप के विक्रय के संबंध में पूंछताछ कर स्टाक का परीक्षण किया गया तथा निर्देश दिये गये कि प्रतिबंधित दवा का विक्रय किसी भी स्थिति में न हो तथा वह स्टाक में भी न रहे। निरीक्षण के दौरान दवाओं में लिखित चेतावनी तथा सावधानियों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये। गत दिनों बिकने वाली अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का भी आंकलन कराया जा रहा है। इसी क्रम में त्योंथर में भी दवाई की दुकान का निरीक्षण कर स्टाक का प्रमाणीकरण किया गया। निरीक्षण दल में नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला, ड्रग इंस्पेक्टर राधेश्याम बट्टी, थाना प्रभारी अमहिया शिवा अग्रवाल उपस्थित रहे।

धान उपार्जन के लिए पंजीयन 10 अक्टूबर तक

रीवा। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए शासन द्वारा किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। उपार्जन के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन होना आवश्यक है। ऑनलाइन पंजीयन 10 अक्टूबर तक किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि किसान ग्राम पंचायत कार्यालय के सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों में निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी किसान एप अपने एन्ड्रायड मोबाइल पर डाउनलोड करके किसान स्वयं पंजीयन कर सकते हैं।

संजय गांधी अस्पताल में लापरवाही की हद गंभीर हालत में बच्चा दो घंटे तक तड़पता रहा,

इलाज की आस में भटकते रहे परिजन डॉक्टरों ने नहीं ली सुध, सीएम हेल्पलाइन में फोन के बाद मिला इलाज

रीवा। संजय गांधी अस्पताल एक बार फिर अव्यवस्थाओं और असंवेदनशीलता के कारण सुर्खियों में है। बीते दिवस एक 13 वर्षीय मासूम को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया, लेकिन चिकित्सकीय टीम की लापरवाही के कारण उसे करीब दो घंटे तक इलाज नहीं मिल सका। अस्पताल परिसर में इधर-उधर भटकते परिजनों की गुहार तब तक अनसुनी रही, जब तक मामला सीएम हेल्पलाइन तक नहीं पहुंचा। पीड़ित बालक, मनीष साहू, उत्तर प्रदेश के महोबा जिले का निवासी है। जानकारी के अनुसार, 30 अगस्त को उसके घर के पास बिजली गिरने से वह झुलस गया था। प्राथमिक इलाज यूपी के बांदा अस्पताल में हुआ, जहां से कुछ दिनों बाद छुट्टी मिलने के बाद वह अपने ननिहाल पन्ना आया था। लेकिन 3 अक्टूबर को उसकी तबीयत फिर बिगड़ गई, जिसके बाद उसे पन्ना जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे तुरंत रीवा रेफर कर दिया गया। रीवा पहुंचने पर परिजनों को उम्मीद थी कि बड़े अस्पताल में बेहतर इलाज मिलेगा, लेकिन यहां उन्हें दो घंटे तक सिर्फ निराशा हाथ लगी। स्ट्रेचर पर लेटे बच्चे को सबसे पहले बर्न यूनिट भेजा गया, जहां भर्ती करने से इनकार कर दिया गया। फिर कैजुअल्टी में भेजा गया, लेकिन वहां भी प्रवेश नहीं मिला। नतीजतन, परिजन अस्पताल की बरामदगी में ही मदद की गुहार लगाते रहे। समय पर इलाज न मिलने से बच्चे की तबीयत और बिगड़ती रही। ग्लुकोज की बॉटल चढ़ाए बच्चे को स्ट्रेचर पर लिटाकर परिजन डॉक्टरो से इलाज की मिन्नतें करते रहे, लेकिन धरती के भगवान कहे जाने वालों का दिल नहीं पसीजा। परेशान परिजनों ने सीएम हेल्पलाइन में फोन किया, तब अस्पताल प्रबंधन ने बच्चे को जीएमएच के बच्चा वार्ड में भर्ती किया, जहां उसको वेंटिलेटर पर रखा गया है। बच्चे की हालत अब स्थिर बताई जा रही है परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते इलाज शुरू हो जाता, तो बच्चे की हालत इतनी गंभीर न होती। बॉक्स वरिष्ठ डॉक्टर नदारद, इलाज जूनियर स्टाफ के भरोसेयह कोई पहला मामला नहीं है जब रीवा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लापरवाही का ऐसा चेहरा सामने आया हो। अस्पताल की कैजुअल्टी में नियम के अनुसार वरिष्ठ डॉक्टरों की मौजूदगी अनिवार्य है, मगर अक्सर यह जिम्मेदारी इंटर्न और जूनियर डॉक्टरों के हवाले छोड़ दी जाती है। अनुभव की कमी के कारण सही विभाग तय करने में भी समय लगता है, जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ता है।

मऊगंज पुलिस अधीक्षक ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर किया ईनाम घोषित

मऊगंज। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने दो अलग-अलग आपराधिक घटनाओं में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर ईनाम की घोषणा की है। थाना हनुमना में एनडीपीएस एक्ट तथा अन्य प्रकरणों में आरोपी अनुराग कुमार पटेल पिता रघुवर प्रसाद पटेल आयु 24 वर्ष निवासी ग्राम भलुहा की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए के ईनाम की घोषणा की गई है। इसी तरह थाना मऊगंज में दर्ज प्रकरण में फरार आरोपी विनोद अग्रवाल पिता स्व. बालकृष्ण अग्रवाल निवासी पटकापुर जिला कानपुर उत्तरप्रदेश घटना दिनांक से फरार हैं। इनकी गिरफ्तारी पर दो हजार रुपए के ईनाम की घोषणा की गई है। इन फरार आरोपियों को बंदी बनाने अथवा बंदी बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना देने वाले को ईनाम की राशि दी जाएगी। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक मऊगंज का निर्णय अंतिम रूप से मान्य होगा। ईनाम की घोषणा पुलिस रेग्युलेशन एक्ट के तहत की गई है।

गढ़वा ग्राम में क्षेत्रीय समस्याओं पर किसान- मजदूर सम्मेलन में हुई सार्थक चर्चागढ़वा में कालेज न होने से छात्रों के शिक्षा पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव - लालमणि त्रिपाठी

रीवा । जिले की तहसील हुजूर के अंतर्गत ग्राम गढ़वा में 5 अक्टूबर को गढ़वा देवी मंदिर परिसर में दोपहर 3 बजे से किसान-मजदूर पंचायत का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्र के किसान और मजदूर वर्ग की विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श हेतु आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कामरेड लाल मणि त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य रहे, जबकि अध्यक्षता कामरेड रामानुज तिवारी ने की। अपने उद्बोधन में कामरेड लाल मणि त्रिपाठी ने कहा कि ग्राम गढ़वा और आसपास के क्षेत्र में कॉलेज न होने के कारण यहाँ के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दूर शहरों तक जाना पड़ता है। यदि क्षेत्र में कॉलेज की स्थापना होती है तो स्थानीय छात्र-छात्राओं, विशेषकर बालिकाओं को, शिक्षा प्राप्त करने में अत्यंत सुविधा होगी और उनका पठन-पाठन निरंतर जारी रह सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि किसानों के लिए शासन द्वारा खाद, बीज और बिजली की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि उन्हें खेती के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही, मजदूर वर्ग के लिए पंचायतों के माध्यम से मनरेगा योजनांतर्गत कार्यों का आवंटन किया जाए, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध हो सके और गाँव से पलायन पर रोक लग सके।इस कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेंद्र सिंह गढ़वा द्वारा किया गया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रामप्रसाद गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अरुण कुमार पांडेय, बाबूलाल शुक्ला, भैयालाल पटेल, गया प्रसाद चतुर्वेदी, अयोध्या पटेल, राजेंद्र साकेत, नारायण दास उपाध्याय, राजकुमार चतुर्वेदी आदि नेताओं ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे - अमृतलाल पटेल, नरेंद्र कुमार पांडे, उपेंद्र पटेल, राजकुमार साकेत, राजभान साकेत, गोकुल प्रसाद खरे, लक्ष्मण प्रसाद रजक, कमलभान सिंह, सुरेंद्र सिंह, रविशंकर पटेल, वीरेंद्र सिंह, राजेंद्र पटेल, शैलेंद्र कुमार पटेल, पुष्पेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह, लक्ष्मण प्रसाद मिश्रा, श्यामलाल पटेल, सत्यवान पटेल, महेंद्र सिंह, चंद्रभान पटेल, दिवाकर पटेल, मोहनलाल पटेल, मोहनलाल विश्वकर्मा, लक्ष्मी नारायण मिश्रा, रामपाल पटेल, रामनाथ पटेल, रामनाथ कुशवाहा, राजेश पटेल, यज्ञ नारायण मिश्रा, बृजवासी प्रसाद शर्मा, सत्यभान सिंह, राजबहोर सिंह तथा अन्य ग्रामीण जन। सभा सफलतापूर्वक संपन्न हुई और उपस्थित किसानों, मजदूरों एवं स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र के विकास और बुनियादी सुविधाओं की मांगों को एक स्वर में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अमहिया पुलिस की बड़ी कार्यवाही अमहिया पुलिस ने बीती रात्रि गस्त के दौरान पकड़ी संदेहास्पद कार, युवक देशी कट्टे के साथ हुआ गिरफ्तार

रीवा । पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेंद्र सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन मे नगर पुलिस अधीक्षक रितु उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल के नेतृत्व में थाना अमहिया में दिनांक 06.10.25 को रात्रि गश्त के दौरान एक अज्ञात युवक स्विफ्ट कार को तेज व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक हाथ मे कट्टा लहराते हुए सिरमौर चौराहा से अमहिया तरफ आ रहा था जिसे अमहिया नाला के आगे जलसा मैरिज गार्डन मोड़ के पास पुलिस स्टाफ द्वारा घेराबंदी कर रोंका गया व युवक से वाहन कार एवं लहरा रहे कट्टा के सबंध मे पूछताछ की गई जो युवक द्वारा अवैध कट्टा के सबंध मे किसी प्रकार का कोई दस्तावेज ना प्रस्तुत करने की दशा मे युवक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 163/25 धारा 25(2) आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है व आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। गिरफ्तार आरोपी शुभनेश विश्वकर्मा पिता वसंतलाल विश्वकर्मा उम्र 23 वर्ष निवासी बदवार थाना गुढ़ जिला रीवा से जप्त 01 अदद देशी कट्टा ,स्विफ्ट कार, कीमती 10,0000/- उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी उप निरी. शिवा अग्रवाल, प्र.आर.920 रामसखा वर्मा,आरक्षक कौशलेन्द्र सिंह , आर. विवेक सिंह, आरक्षक विकास तिवारी ,आरक्षक दिवाकर तिवारी, महिला आरक्षक साधना शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही

दिनदहाड़े लूट की वारदात, ऑटो चालक ने युवक से छीना पर्स, 10 हजार नकद सहित जरूरी दस्तावेज लेकर फरार, विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के पंचवटी पेट्रोल पंप के पास की घटना

रीवा।

शहर में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब दिनदहाड़े सरेराह लूट की घटनाएं सामने आने लगी हैं। ताजा मामला विश्विद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचवटी पेट्रोल पंप के पास का है, जहां रविवार सुबह एक ऑटो चालक ने ऑटो सवार युवक से पर्स छीनकर फरार हो गया। पीड़ित के अनुसार, पर्स में 10 हजार रुपए नकद, दो एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य जरूरी दस्तावेज मौजूद थे। घटना की शिकायत वार्ड क्रमांक 10, श्रीजी वृंदावन कॉलोनी अनंतपुर निवासी जितेंद्र सिंह बघेल ने विश्वविद्यालय थाना पुलिस से की है। जितेंद्र सिंह के मुताबिक, वह रविवार सुबह सिरमौर चौराहा से विश्वविद्यालय मार्ग की ओर जाने के लिए एक ऑटो में सवार हुए थे। जैसे ही ऑटो पंचवटी पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, चालक ने कहा कि उसे डीजल भरवाना है और ऑटो को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद चालक ने जितेंद्र से पैसे मांगे। उन्होंने जेब से पर्स निकालकर उसे 10 रुपए दिए। तभी अचानक चालक ने पर्स झपट लिया और ऑटो तेजी से मोड़कर सिरमौर चौराहा की ओर भाग निकला। जितेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने शोर भी मचाया, लेकिन तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुका था। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया कि पर्स में 10,000 रुपए नकद के अलावा दो एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज भी थे।पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी ऑटो चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ऑटो और आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।बॉक्सशहर में बढ़ रही लूटपाट की घटनाएंरीवा में पिछले कुछ समय से लूट, झपटमारी और चोरी की घटनाओं में इज़ाफा देखने को मिला है। विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर चलती गाड़ियों में लूट की वारदातें आम होती जा रही हैं। जहां पहले बाइक सवार बदमाशों का आतंक था, वहीं अब ऑटो चालकों के रूप में भी अपराधी सक्रिय हो गए हैं।

तीर्थदर्शन योजना के आवेदनों की छानबीन के लिए अधिकारी तैनात

रीवा । मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना से 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को किसी एक तीर्थ स्थान की निःशुल्क यात्रा कराई जाती है। रीवा से पात्र बजुर्गों को तीर्थदर्शन कराने के लिए विशेष ट्रेन 25 अक्टूबर को द्वारिका और सोमनाथ की यात्रा पर जाएगी। यात्रा के लिए आवेदन करने वाले हितग्राहियों के आवेदन पत्रों की छानबीन 15 अक्टूबर को की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि आवेदन पत्रों की छानबीन के लिए सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग आशीष द्विवेदी, परियोजना संचालक बालश्रम, संकल्प परौहा तथा समग्र संयोजक सामाजिक न्याय मृगेन्द्र श्रीवास्तव को तैनात किया गया है। इन्हें सहयोग देने के लिए अमित कुमार शर्मा लेखापाल तथा मनीष सिंह तिवारी डाटा एंट्री आपरेटर को भी तैना किया गया है। यह दल आवेदन पत्रों की जाचं करके पात्र हितग्राहियों की सूची प्रस्तुत करेगा।

मऊगंज में स्वास्थ्य पर खतरा! मेडिकल स्टोरों में 'नकली' दवाओं का कारोबार, प्रशासन मौन

मऊगंज

नवगठित मऊगंज जिले में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर एक गंभीर और खतरनाक स्थिति सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार, जिले के कई मेडिकल स्टोरों पर खुलेआम नकली और सब-स्टैंडर्ड दवाइयों का कारोबार फल-फूल रहा है, जो सीधे तौर पर आम जनता के जीवन और स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। आरोप है कि इस अवैध और जानलेवा धंधे पर लगाम लगाने में स्थानीय प्रशासन और औषधि नियंत्रण विभाग पूरी तरह से निष्क्रिय बना हुआ है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है।स्थानीय निवासियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि मऊगंज शहर समेत ग्रामीण इलाकों के मेडिकल स्टोर्स पर ऐसी दवाइयाँ बेची जा रही हैं जो या तो असली दवा की नकल हैं, या फिर उनमें सक्रिय तत्व (Active Ingredients) की मात्रा बेहद कम है। ऐसी दवाएँ मरीजों पर कोई असर नहीं करतीं, जिससे उनकी बीमारी ठीक होने के बजाय और बिगड़ सकती है।नकली दवाइयों से न केवल इलाज में देरी होती है, बल्कि कई बार इनके गंभीर साइड इफेक्ट्स से मरीजों की जान भी जा सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार मौखिक रूप से प्रशासन को इसकी जानकारी दे चुके हैं, लेकिन ड्रग इंस्पेक्टर या स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई ठोस छापेमारी या जाँच की कार्रवाई नहीं की गई है।अब सवाल यह उठता है कि जब राज्य में नकली दवाइयों के चलते गंभीर मामले (जैसे कि हाल ही में कफ सिरप से जुड़ी घटनाएँ) सामने आ चुके हैं, तब मऊगंज में यह लापरवाही क्यों बरती जा रही है?नए जिले में प्रशासनिक ढाँचे के पूरी तरह से स्थापित न होने और औषधि निरीक्षकों की कमी का फायदा दवा माफिया उठा रहे हैं। कुछ सूत्रों का यह भी कहना है कि मेडिकल स्टोर संचालकों और संबंधित सरकारी अधिकारियों के बीच मिलीभगत भी हो सकती है, जिसके कारण यह जानलेवा धंधा बिना किसी डर के चल रहा है। समाजिक कार्यकर्ताओं की जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। सभी संदिग्ध मेडिकल स्टोरों पर तत्काल छापा मारा जाए और दवाइयों के सैंपल जाँच के लिए भेजे जाएँ।जाँच में दोषी पाए जाने वाले मेडिकल स्टोर संचालकों के लाइसेंस रद्द किए जाएँ और उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएऔषधि नियंत्रण विभाग के उन अधिकारियों की भूमिका की जाँच की जाए, जिनकी कथित लापरवाही या मिलीभगत से यह अवैध कारोबार पनप रहा है।यदि प्रशासन जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं देता है, तो नकली दवाइयों का यह कारोबार जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से चौपट कर सकता है।

2840 नशीली कैप्सूल के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, मनगवां पुलिस ओवर ब्रिज के पास बाइक सवारों को घेराबंदी कर पकड़ा

रीवा।

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मनगवां पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने शनिवार को दो नशा तस्करों को भारी मात्रा में अवैध नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2840 नग नशीले कैप्सूल बरामद किए गए हैं, जिनकी बाजार में अनुमानित कीमत 18 हजार रुपए से अधिक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनगवां थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम आंबी ओवरब्रिज के पास एक व्यक्ति हीरो पैशन प्रो बाइक में बोरी में भरकर अवैध नशीले कैप्सूल लेकर खड़ा है और उन्हें बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए मनगवां थाना प्रभारी ने तत्काल एक पुलिस टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी की। मौके पर पहुंची टीम ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से बोरी में रखे हुए भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान आशुतोष सिंह पिता संकर्षण सिंह (उम्र 41 वर्ष), निवासी हटवा थाना बैकुण्ठपुर, हाल निवासी कला मंदिर अमहिया, रीवा और अमरदीप सेन पिता रामकिशोर सेन (उम्र 19 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 10, मनगवां के रूप में हुई है।बीपुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश भी जारी है। पुलिस का मानना है कि यह एक संगठित गिरोह हो सकता है, जो रीवा सहित आसपास के इलाकों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लिप्त है।